प्रेथक

आराडीश्पालीवाल, सर्वेव स्थाय एक विधि परास्त्री, सत्तराखण्ड शासन

सेवा में.

सदस्य परिवदः राज्य विधिक सेवा प्राधिकस्यः माठ सम्ब न्यापालय परिवरः नैनीताल ।

न्याय अनुभाग-।

देहराद्य विनांक > अनवरी, 2010

विषय- जिला देशरादून व उधमसिंहनगर में स्थापित एक-एक स्थायी स्रोक अदालत में सृजित अस्थायी पदी की निशन्तरता बढाया उतना ।

HE'S O

उपर्यक्त देशक हालनाईश संख्या 32/xxxvi(1)एक/10-23-एक(5)/2005 दिनांक 6 फरवरी 2008 के अनुक्रम में मुझे यह कहाने का निदेश हुआ है कि जिला देहरादून व उधार्मिहेंहनगर में स्थापित एक-एक स्थायी लोक अदालत हेतू र्िवरा 10 अस्थायी पदी की निरन्तरना वर्तमान हाती एवं प्रतिक्रमों के आवित पदि वे किना पूर्व सुक्रमा के पहले ही समाप्त न कर देवे जाए दिनाक 1-3-2010 से 28-2-2011 तक बढ़ाये जाने की भी राज्यपाल राज्ये स्वीकृति प्रवास कार्य है। उक्तर न्यायालयों/पदी का सुजन शासनाईश संख्या- 24-एक(5)/फ्रिंगिस(1)/2005-23-एक(5)/एड दिनांक 8 नदम्बर 2005 हारा किया गया है।

- 2— उक्त न्यायालायों के कार्यालय में पद बारण करने दाले अधिकारियों / कर्मचारियों की शेवा गतें सम्बन्धित संवर्ग की सेवा नियमावली से अधारित झेंगी ।
- उन्त पर होने दाला व्यय आयाणी विक्तीय वर्ष 2010-2011 के आय-व्ययक के जनुदान संख्या-04 के जनातील लेखाशीयक 2014- स्थाय प्रशासन 00 आयोज दिएर-800 अन्य व्यय-10 स्थायी लोक बदाला-00 के अस्तरीत सुनानश प्राथमिक इक दयों के नार्ने 300 जायेगा।
- 4 यह आदेश विता हिमाग के कार्यालय शाप तक्या- ए-1-1270/76 इस विताक 20 जुलाई 1968 वर्षाति कार्यालय कार संस्का- ए-2-277/पण 92-248)/92 दिनांक 7-11-92(एका यसनावर्ष राज्य में बहुत) द्वारा क्रमसर्वीय किया को प्रोपिन्ध नित्त है से गर्म अधिकास के जन्मांत प्रसारित किये जा रहे हैं।

गवदीय (जार-डीठपासीयास) सर्वित

संख्या-16(1)/xxxvi(1)एक/10-23-एक(5)/2006समिदेनांकित

प्रतिक्रिय निल्लानेस्तित को सूचलाई एवं आदश्यक कर्यं है। हेन् प्रेकिन -

महरानेखाकार (लेखा एवं हकदाशी) एतारखण्ड गण्या, देहरादृन ।

व्यक्षानिवन्धक गाँ। सत्त्वपार्यण्ड प्रच्य न्यायालय, नैनीताल ।

जिला न्यानवीश/अध्यक्ष जिला विभिन्न सेवा प्राधिकरण देशरादण/कामसिंहनगर ।

4- वरिष्ठ कोबाधिकारी, वैश्वरादन / उधमसिंहनगर ।

तितः अनुभाग-5/कार्थिक अनुभाग/एन०आई०णी०/गार्थ फाईल ।

भागा से (केंग्रपी) पॉटर्गी) अनु सचिव

A-PARTIES.